

喻朝刚 周航 主编

# 宋詞觀止

(上)



大眾文藝出版社

喻朝刚 周航 主编

# 采詞觀止

(中)



大眾文藝出版社

喻朝刚 周航 主编

# 宋詞觀止

(下)



大眾文藝出版社

# 宋词观止

注释 解说 集评

喻朝刚 周 航 主编

上

大众文艺出版社

·北 京·

# 宋词观止

注释 解说 集评

喻朝刚 周 航 主编

中

大众文艺出版社

· 北 京 ·

# 宋词观止

注释 解说 集评

喻朝刚 周 航 主编

下

大众文艺出版社

· 北 京 ·

## 图书在版编目(CIP)数据

宋词观止/喻朝刚,周航主编.

—北京:大众文艺出版社,2000.2

ISBN 7-80094-869-2

I. 宋...

I. ①喻... ②周...

II. ①宋词-选集 ②宋词-注释 ③宋词-文学研究

IV. I222.844

中国版本图书馆 CIP 数据核字(2000)第 02906 号

## 宋 词 观 止

大众文艺出版社出版发行

(北京朝阳区潘家园东里 21 号 邮编:100021)

北京市兴凤印刷厂印刷 新华书店经销

开本 850×1168 毫米 1/32 印张 55.625 字数 1439 千字

2001 年 1 月北京第 1 版 2001 年 1 月北京第 1 次印刷

印数 1—3000 册

ISBN 7-80094-869-2/I·425 定价:78.00 元(共三册)

版权所有,翻版必究。

联系:大众文艺出版社市场经营部 电话:84040746

1239 1239 36

# 前 言

喻朝刚

在中国诗歌发展史上，宋词与唐诗是两座巍峨的丰碑。一千多年来，它们以其丰富的思想内容和精美的艺术形式吸引着无数读者，为人们提供了宝贵的精神食粮，成为光辉灿烂的中华优秀传统文化的重要组成部分。

在中国古代诗歌园地里，词的形式最为丰富，而其名称也是最多的。词，从广义上说也是诗，是一种配合音乐，可以歌唱的新体诗。这种文学形式初起于隋，形成于唐，经过数百年的酝酿、完善和演进，发展到宋代，进入了空前繁荣的极盛时期，成为当时最受欢迎、最具有代表性的一种文体。宋代三百多年，上自帝王将相、文人学士，下至庶民百姓、渔樵僧道、倡优艺伎，都十分喜爱这种文艺形式。于是填词、唱词、阅读和欣赏歌词的风气在社会各阶层特别是都市里广为流行。词的题材内容逐渐扩大深化，艺术形式日趋完善，表现技巧不断提高，涌现出许多优秀的作家和大量优秀的作品，从而迎来了词的黄金时代，为中国文学史谱写了新的篇章。

由于当初歌词是不能脱离乐曲的，所以在唐、五代和宋初，人们根据这一特点，就把它称为曲、杂曲、曲词或曲子词。后来作家倚声填词并非均为应歌而作，歌词与音乐出现了脱离的倾向，从而形成了一种独立的新体诗，于是“词”便逐渐成为了这种新体诗的专用名词。此外，它还被称为长短句、诗余、乐府、歌曲、琴趣、乐章、语业等等。

每首词都有一个表示乐曲的调名，即所谓的词牌。作者或依调

填词,或因词制调,曲调和歌词是相辅相成的。一个词牌最早的名称,往往与作品的内容有一定关系,但曲调一经用作词牌,形成固定的格式,后人只是按谱填词,作品的内容一般都与调名无关了。除了每篇作品都有一个词牌而外,词还需分片。所谓“片”,就是“段”的意思。它是由古代的“变”字衍化而来的。古乐每奏完一曲,叫做“一变”。到了唐代,“变”字简化为“徧”或“遍”。南宋以后,“徧”或“遍”才开始省作“片”字。大多数词调都分为两片,也有不分片的,那是词中的小令,如《十六字令》、《如梦令》等;也有极少数词调分为三片甚至四片的,均为词中的长调,如《兰陵王》、《莺啼序》等。

词的语言、结构和格律方面的特点,曾有人用“调有定句,句有定字,字有定声”三句话来加以概括。词的音律平仄,要求比诗更严。唐代的近体诗要求分平仄,其字声组合方式基本上是两平两仄相间,对举使用。而词除了要分平仄外,某些词调在关键地方还要求分辨四声,即所谓三仄更须分上去,两平还要辨阴阳。有人还主张词应分五音、五声、六律和轻重清浊,提出了更为严格的要求,但实际上能做到的人并不多。一般说来,词韵比诗韵较宽,某些韵部可以互相通转,可以四声通协,变化较诗韵多,因而也较灵活自由。诗无论古代或近体,一般两句一韵。词则不然,除了隔句押韵外,还出现了韵位或疏者有多至四、五句才押韵的。总之,词在形式上的这些严格要求,一方面给作者增加了创作上的难度,另一方面也给这种具有浓厚东方文化特色的语言艺术带来了无穷的魅力,达到了其妙无比的艺术境界。

宋词以生动的形象、优美的语言和独特的抒情方式,从各个不同的层面和角度,反映了宋代三百多年间的历史面貌、风土人情以及宋人丰富多彩的物质文化生活和精神世界。几年前,我们曾编撰过一部《分类新编两宋绝妙好词》,将所选之词分为大好河山、爱国情怀、边塞风烟、乱世悲歌、节物风情、饮食器物、羁旅乡愁、闺情绮怨、艺人剪影、梦幻世界等 42 类,虽然还不够完备,但从中已可看

出宋词的题材并不狭窄,它所反映的社会生活也是相当广泛的。无庸讳言,宋词毕竟是封建时代的产物,不可避免地存在着许多缺点和不足,存在着历史的局限性。而作者的社会地位、生活经历、人格品德、思想情操、艺术修养和审美观念又是千差万别的,因此它也和一切古代文化遗产一样:精华与糟粕共存,珍品与劣品同在。我们的任务就是要运用正确的观点和科学的方法,分清精华与糟粕,辨别珍品与劣品,吸收其精华,剔除其糟粕,使这份宝贵的文学遗产得以发扬光大,让它在建设社会主义精神文明的过程中起到积极的作用。

唐圭璋先生编《全宋词》,数十年如一日,孜孜以求,广采博搜,汇辑了两宋词人一千三百余家、词作二万余首,可谓洋洋大观,集古今之大成,为研究宋词提供了极为宝贵的资料。

《宋词观止》以《全宋词》为依据,同时也参考了历代词的总集、别集、选集、词话、词评和其他有关的资料,经过反复斟酌考量,选出词人五百余家、词作近两千首,可以说宋词的精华绝大部分都包括在其中了。陈廷焯《白雨斋词话》云:“两宋词,精绝者约略不过五百余首。”他的审美标准和衡量尺度,当然不可能与我们今天的标准和尺度完全相同,因此不能受他的观点束缚。我们认为从近两万首宋词中选出近两千首作品,精华约为十分之一,这大体上符合宋词的实际情况。应当说明的是,未入选的作品不都是糟粕,多数都是一些比较平庸或水平一般的作品。

《宋词观止》以时代先后为经,以作者为纬,除个别词人外,基本上按照《全宋词》的先后次序排列。无名氏的作品,一律放在最后。同一作者之词,绝大多数均按《全宋词》的次序排列,个别作家的作品有编年者,则参考编年而定。本书除原文和作者小传外,还有“注释”、“解说”和“集评”等方面的内容。“注释”力求简明准确,主要解释典故、史实和比较难懂的词语,一般不作句意的串讲。“解说”是编者对原作的基本理解,或介绍写作背景,或揭示主题思想,或探索艺术特色,不求面面俱到,仅述一得之见,文字力求简短。

“集评”选录了宋、金、元、明、清历代词学家和当代词学大师夏承焘、唐圭璋以及部分著名学者对有关词作的精辟评语。这对广大读者阅读和欣赏宋词显然是十分有益的。

本人从事中国文学史和宋词的教学研究工作历 40 年,曾出版过《宋词选讲》、《宋词精华新解》、《分类新编两宋绝妙好词》、《辛弃疾及其作品》等著作,发表过《试论南宋前期词风的变化》、《也谈岳飞的〈满江红〉》、《论李清照南渡以后的诗词》、《放翁词论》、《略论辛弃疾的词》、《稼轩词三首浅议》等有关宋词的论文。本书吸收了以前研究的成果,但由于水平有限,一定还存在着许多缺点和不足,诚恳地希望得到读者和专家的批评指正。

责任编辑：李景峰  
封面设计：陈炫合

# 总目

## 第一卷目录

|     |     |       |       |     |     |       |       |
|-----|-----|-------|-------|-----|-----|-------|-------|
| 王禹偁 | 1首  | ..... | (1)   | 谢 绛 | 2首  | ..... | (104) |
| 寇 准 | 3首  | ..... | (2)   | 宋 祁 | 2首  | ..... | (106) |
| 钱惟演 | 2首  | ..... | (4)   | 贾昌朝 | 1首  | ..... | (109) |
| 潘 阆 | 6首  | ..... | (6)   | 尹 洙 | 1首  | ..... | (110) |
| 林 逋 | 3首  | ..... | (11)  | 梅尧臣 | 1首  | ..... | (112) |
| 杨 忆 | 1首  | ..... | (14)  | 叶清臣 | 1首  | ..... | (113) |
| 夏 竦 | 1首  | ..... | (15)  | 欧阳修 | 41首 | ..... | (114) |
| 聂冠卿 | 1首  | ..... | (16)  | 荣 湮 | 1首  | ..... | (144) |
| 李遵勗 | 2首  | ..... | (17)  | 王 琪 | 5首  | ..... | (145) |
| 范仲淹 | 3首  | ..... | (19)  | 苏舜钦 | 1首  | ..... | (149) |
| 沈 邈 | 1首  | ..... | (24)  | 韩 琦 | 2首  | ..... | (151) |
| 柳 永 | 35首 | ..... | (25)  | 沈 唐 | 1首  | ..... | (153) |
| 张 先 | 20首 | ..... | (63)  | 杜安世 | 3首  | ..... | (154) |
| 晏 殊 | 17首 | ..... | (79)  | 赵 抃 | 1首  | ..... | (156) |
| 滕宗谅 | 1首  | ..... | (93)  | 元 绛 | 1首  | ..... | (157) |
| 张 昇 | 2首  | ..... | (94)  | 卢 氏 | 1首  | ..... | (158) |
| 王 益 | 1首  | ..... | (96)  | 刘 述 | 1首  | ..... | (160) |
| 石延年 | 1首  | ..... | (98)  | 蔡 襄 | 1首  | ..... | (160) |
| 刘 潜 | 2首  | ..... | (98)  | 李师中 | 1首  | ..... | (161) |
| 李 冠 | 2首  | ..... | (102) | 蔡 挺 | 1首  | ..... | (163) |

|     |      |       |       |     |      |       |       |
|-----|------|-------|-------|-----|------|-------|-------|
| 司马光 | 2 首  | ..... | (164) | 了 元 | 1 首  | ..... | (317) |
| 苏 氏 | 1 首  | ..... | (166) | 丁仙现 | 1 首  | ..... | (317) |
| 韩 缜 | 1 首  | ..... | (167) | 刘 涇 | 1 首  | ..... | (319) |
| 裴 湘 | 2 首  | ..... | (168) | 张商英 | 1 首  | ..... | (320) |
| 阮逸女 | 1 首  | ..... | (170) | 黄 裳 | 2 首  | ..... | (321) |
| 王安石 | 6 首  | ..... | (171) | 王 雱 | 2 首  | ..... | (323) |
| 俞紫芝 | 2 首  | ..... | (178) | 张景修 | 1 首  | ..... | (325) |
| 郑 獬 | 1 首  | ..... | (180) | 黄大临 | 1 首  | ..... | (326) |
| 蒲宗孟 | 1 首  | ..... | (181) | 黄庭坚 | 22 首 | ..... | (327) |
| 章 棅 | 1 首  | ..... | (182) | 盼 盼 | 1 首  | ..... | (347) |
| 徐 积 | 3 首  | ..... | (183) | 晁瑞礼 | 6 首  | ..... | (348) |
| 王安国 | 2 首  | ..... | (185) | 曾 肇 | 1 首  | ..... | (352) |
| 孙 洙 | 1 首  | ..... | (187) | 李元膺 | 4 首  | ..... | (353) |
| 韦 骧 | 2 首  | ..... | (188) | 朱 服 | 1 首  | ..... | (356) |
| 圆禅师 | 1 首  | ..... | (190) | 刘 弇 | 1 首  | ..... | (358) |
| 则禅师 | 1 首  | ..... | (190) | 时 彦 | 1 首  | ..... | (359) |
| 晏几道 | 35 首 | ..... | (192) | 哑 女 | 1 首  | ..... | (360) |
| 王 观 | 7 首  | ..... | (219) | 秦 观 | 32 首 | ..... | (362) |
| 王安礼 | 2 首  | ..... | (225) | 米 芾 | 4 首  | ..... | (392) |
| 张舜民 | 3 首  | ..... | (227) | 李 甲 | 3 首  | ..... | (395) |
| 魏夫人 | 7 首  | ..... | (229) | 赵令時 | 9 首  | ..... | (398) |
| 王仲甫 | 2 首  | ..... | (234) | 贺 铸 | 28 首 | ..... | (408) |
| 王 诜 | 3 首  | ..... | (236) | 晁补之 | 15 首 | ..... | (437) |
| 苏 轼 | 61 首 | ..... | (239) | 张 挥 | 10 首 | ..... | (450) |
| 许 将 | 1 首  | ..... | (302) | 陈师道 | 2 首  | ..... | (457) |
| 苏 辙 | 1 首  | ..... | (304) | 张 耒 | 1 首  | ..... | (459) |
| 李之仪 | 11 首 | ..... | (305) | 侯 蒙 | 1 首  | ..... | (461) |
| 王齐叟 | 1 首  | ..... | (313) | 周邦彦 | 33 首 | ..... | (462) |
| 舒 亶 | 4 首  | ..... | (314) | 净 端 | 1 首  | ..... | (499) |

|     |     |       |       |     |     |       |       |
|-----|-----|-------|-------|-----|-----|-------|-------|
| 李 廌 | 1 首 | ..... | (500) | 唐 庚 | 1 首 | ..... | (526) |
| 孔 夷 | 2 首 | ..... | (501) | 惠 洪 | 3 首 | ..... | (526) |
| 邹 浩 | 1 首 | ..... | (503) | 苏 过 | 1 首 | ..... | (529) |
| 阮 阅 | 1 首 | ..... | (504) | 陆 蕴 | 1 首 | ..... | (530) |
| 谢 逸 | 3 首 | ..... | (505) | 谢克家 | 1 首 | ..... | (531) |
| 夏 倪 | 1 首 | ..... | (508) | 葛胜仲 | 2 首 | ..... | (532) |
| 晁冲之 | 4 首 | ..... | (509) | 米友仁 | 1 首 | ..... | (533) |
| 苏 庠 | 2 首 | ..... | (513) | 范 周 | 1 首 | ..... | (534) |
| 毛 滂 | 5 首 | ..... | (514) | 赵子发 | 3 首 | ..... | (535) |
| 刘 焘 | 1 首 | ..... | (518) | 徐 俯 | 1 首 | ..... | (537) |
| 李 新 | 1 首 | ..... | (519) | 王安中 | 1 首 | ..... | (538) |
| 司马槱 | 1 首 | ..... | (520) | 张继先 | 3 首 | ..... | (539) |
| 王 栎 | 3 首 | ..... | (521) | 叶梦得 | 9 首 | ..... | (542) |
| 曹希蕴 | 1 首 | ..... | (524) | 李 光 | 1 首 | ..... | (549) |
| 沈 蔚 | 1 首 | ..... | (525) |     |     |       |       |

## 第二卷目录

|     |      |       |       |     |      |       |       |
|-----|------|-------|-------|-----|------|-------|-------|
| 欧阳珣 | 1 首  | ..... | (551) | 李 纲 | 6 首  | ..... | (594) |
| 刘一止 | 2 首  | ..... | (552) | 李 祁 | 3 首  | ..... | (600) |
| 曹 组 | 7 首  | ..... | (555) | 吕直夫 | 1 首  | ..... | (602) |
| 万俟咏 | 7 首  | ..... | (559) | 蒋元龙 | 1 首  | ..... | (603) |
| 田 为 | 2 首  | ..... | (564) | 周格非 | 1 首  | ..... | (604) |
| 徐 伸 | 1 首  | ..... | (565) | 程 邻 | 1 首  | ..... | (605) |
| 王庭珪 | 1 首  | ..... | (567) | 廖世美 | 1 首  | ..... | (605) |
| 陈 克 | 7 首  | ..... | (568) | 李元卓 | 1 首  | ..... | (606) |
| 朱敦儒 | 19 首 | ..... | (572) | 程 过 | 1 首  | ..... | (607) |
| 周紫芝 | 5 首  | ..... | (586) | 曾 慥 | 1 首  | ..... | (608) |
| 赵 佶 | 3 首  | ..... | (590) | 张 纲 | 1 首  | ..... | (609) |
| 侯彭老 | 1 首  | ..... | (592) | 李清照 | 24 首 | ..... | (611) |

|      |    |       |       |     |     |       |       |
|------|----|-------|-------|-----|-----|-------|-------|
| 吕本中  | 5首 | ..... | (633) | 刘 彤 | 1首  | ..... | (687) |
| 沈 晦  | 1首 | ..... | (636) | 张元干 | 11首 | ..... | (688) |
| 胡世将  | 1首 | ..... | (637) | 邓 肃 | 4首  | ..... | (700) |
| 赵 鼎  | 5首 | ..... | (639) | 吕渭老 | 3首  | ..... | (703) |
| 李 邴  | 1首 | ..... | (643) | 王之道 | 2首  | ..... | (705) |
| 向子湮  | 9首 | ..... | (645) | 冯时行 | 1首  | ..... | (706) |
| 韩 驹  | 2首 | ..... | (652) | 朱 翌 | 2首  | ..... | (707) |
| 陈 东  | 1首 | ..... | (654) | 吴 亿 | 1首  | ..... | (709) |
| 宋齐愈  | 1首 | ..... | (655) | 杨无咎 | 8首  | ..... | (710) |
| 幼 卿  | 1首 | ..... | (655) | 曹 勋 | 1首  | ..... | (715) |
| 窃杯女子 | 1首 | ..... | (656) | 何大圭 | 1首  | ..... | (716) |
| 蒋兴祖女 | 1首 | ..... | (657) | 胡 铨 | 3首  | ..... | (717) |
| 蔡 枋  | 1首 | ..... | (658) | 岳 飞 | 3首  | ..... | (720) |
| 洪 皓  | 1首 | ..... | (660) | 邵 缉 | 1首  | ..... | (723) |
| 蔡 伸  | 8首 | ..... | (661) | 祝允哲 | 1首  | ..... | (725) |
| 何 桌  | 1首 | ..... | (667) | 孙道绚 | 2首  | ..... | (726) |
| 韩世忠  | 2首 | ..... | (668) | 史 浩 | 3首  | ..... | (728) |
| 王 灼  | 1首 | ..... | (670) | 李 石 | 4首  | ..... | (731) |
| 如 晦  | 1首 | ..... | (671) | 康与之 | 6首  | ..... | (734) |
| 潘 汾  | 2首 | ..... | (671) | 曾 觌 | 3首  | ..... | (739) |
| 李重元  | 2首 | ..... | (673) | 黄公度 | 2首  | ..... | (742) |
| 吴淑姬  | 1首 | ..... | (675) | 黄 童 | 1首  | ..... | (743) |
| 李 生  | 1首 | ..... | (676) | 倪 偁 | 2首  | ..... | (744) |
| 刘 潜  | 1首 | ..... | (677) | 王 识 | 1首  | ..... | (746) |
| 花仲胤妻 | 1首 | ..... | (678) | 许 庭 | 1首  | ..... | (747) |
| 李弥逊  | 3首 | ..... | (679) | 王十朋 | 2首  | ..... | (748) |
| 聂胜琼  | 1首 | ..... | (681) | 王 炎 | 1首  | ..... | (749) |
| 王以宁  | 1首 | ..... | (682) | 洪 适 | 2首  | ..... | (750) |
| 陈与义  | 4首 | ..... | (683) | 韩元吉 | 6首  | ..... | (752) |

|     |     |       |       |     |     |       |       |
|-----|-----|-------|-------|-----|-----|-------|-------|
| 朱淑真 | 8首  | ..... | (758) | 杨万里 | 4首  | ..... | (831) |
| 张抡  | 8首  | ..... | (763) | 李洪  | 2首  | ..... | (834) |
| 侯真  | 2首  | ..... | (768) | 朱熹  | 2首  | ..... | (836) |
| 赵彦端 | 2首  | ..... | (770) | 黄铄  | 1首  | ..... | (838) |
| 王千秋 | 3首  | ..... | (772) | 严蕊  | 1首  | ..... | (839) |
| 姚宽  | 1首  | ..... | (775) | 沈端节 | 1首  | ..... | (840) |
| 洪迈  | 1首  | ..... | (775) | 张孝祥 | 16首 | ..... | (841) |
| 太学生 | 1首  | ..... | (776) | 陈妙常 | 1首  | ..... | (857) |
| 洪惠英 | 1首  | ..... | (777) | 阎苍舒 | 2首  | ..... | (858) |
| 袁去华 | 5首  | ..... | (778) | 崔敦礼 | 1首  | ..... | (861) |
| 晁公武 | 1首  | ..... | (783) | 李处全 | 3首  | ..... | (862) |
| 林仰  | 1首  | ..... | (783) | 王质  | 16首 | ..... | (864) |
| 黄中辅 | 1首  | ..... | (784) | 丘密  | 2首  | ..... | (876) |
| 陆淞  | 1首  | ..... | (785) | 吕胜己 | 7首  | ..... | (878) |
| 李结  | 1首  | ..... | (787) | 赵长卿 | 8首  | ..... | (883) |
| 向滂  | 3首  | ..... | (788) | 楼钥  | 1首  | ..... | (889) |
| 曹冠  | 2首  | ..... | (789) | 傅大询 | 1首  | ..... | (890) |
| 葛郊  | 1首  | ..... | (792) | 林淳  | 1首  | ..... | (891) |
| 姚述尧 | 1首  | ..... | (793) | 京镗  | 2首  | ..... | (892) |
| 甄龙友 | 2首  | ..... | (793) | 张震  | 1首  | ..... | (894) |
| 耿时举 | 1首  | ..... | (795) | 王炎  | 4首  | ..... | (894) |
| 管鉴  | 1首  | ..... | (796) | 杨冠卿 | 1首  | ..... | (897) |
| 陆游  | 24首 | ..... | (797) | 赵汝愚 | 1首  | ..... | (899) |
| 唐婉  | 1首  | ..... | (816) | 辛弃疾 | 76首 | ..... | (900) |
| 范成大 | 9首  | ..... | (817) | 赵善扛 | 2首  | ..... | (985) |
| 游次公 | 1首  | ..... | (823) | 赵善括 | 1首  | ..... | (987) |
| 尤袤  | 1首  | ..... | (824) | 程垓  | 8首  | ..... | (988) |
| 谢懋  | 5首  | ..... | (825) | 徐似道 | 1首  | ..... | (993) |
| 沈瀛  | 4首  | ..... | (829) | 黄人杰 | 1首  | ..... | (994) |